# केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग

## तृतीय प्री-बोर्ड परीक्षा, 2020-21 अंक योजना

**निर्धारित समय - 3 घंटे कक्षा-12वीं विषय- हिन्दी (इलेक्टिव) अधिकतम अंक : 80**

1. 1. (ग) सामाजिकता की भावना
   2. (ख) हमारे पैसे से प्रेम करने वाले
   3. (ग) अच्छा मित्र
   4. (ख) हमें हमारी कमियां नहीं बताता है
   5. (ख) मुसीबत में साथ नहीं देता है
   6. (घ) हर समय प्रशंसा मिलती है
   7. (घ) अच्छे व्यक्ति को
   8. (ख) संज्ञा
   9. (ग) समाज + इक
   10. (क) सरल

   **अथवा**

   1. (4) वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना हो।
   2. (1) प्रजातंत्र की स्थापना होने की बात के कारण
   3. (4) जो घास तक को फूँक-फूँक कर खाती थीं।
   4. (2) प्रतिनिधियों द्वारा
   5. (2) दया, धर्म, स्नेह और सदभाव पर आधारित होना चाहिए।
   6. (3) उनका बहुमत कम होने से उन्हें लगा उनकी बात नहीं सुनी जाएगी
   7. (4) मालिक, आजकल आप बड़े उदास रहते हैं।
   8. (2) भेड़ियों द्वारा मिलने वाला बचा भोजन बंद हो सकता था।
   9. (1) सियार ने भेड़िये से
   10. (3) वहां शेर और रीछ के सामने उन्हें कोई नहीं पूछता था

2. 1. (3) उपमा अलंकार
   2. (2) पत्थर तोड़ते हुए
   3. (2) भारी
   4. (3) दिन का
   5. (4) पत्थरों को तोड़ने का कठिन कार्य
   6. (4) भवन निर्माण के लिए
   7. (3) मुक्त छंद
   8. (3) पसीने की बूंदें

   अथवा

   1. (3) चिंताग्रस्त रोते हुए

2. (3) राधा
3. (1) राधा का संवाद उसके अंतर्मन से है और वह अपने आप से बातें कर रही है।
4. (4) दो आंखें
5. (2) राधा को कृष्ण की याद सता रही है और वातावरण प्रतिकूल हो रहा है।
6. (1) विरह वेदना
7. (3) पवन
8. (2) श्याम को

3. 1. (2) डीकोडिंग
2. (2) फोन इन
3. (2) 1936
4. (1) प्रसार भारती
5. (4) बिंदु एक से तीन को रख सकते हैं।

4. 1. (3) माधुर्य
2. (4) मैथिली
3. (1) कर्णप्रिय मधुर स्वर सुनने का
4. (3) सखी को
5. (3) प्राणों को धारण किए रहने के लिए उसके एक बार मिलने की प्रतीक्षा है।

5. 1. (1) धर्म के रहस्य को जानना
2. (2) धर्म के रहस्य को जानना
3. (3) व्यंग्यात्मक
4. (2) घड़ीसाज
5. (2) कोई मिसाल कहना

6. 1. (1) जगधर
2. (3) ईर्ष्या और घृणा के कारण
3. (2) भोटिया
4. (2) हिमांग पहाड़ के घंसने की
5. (1) संतोषी मइया के घर
6. (3) जल और पर्यावरण संबंधी समस्याएं
7. (3) राजस्थान-मध्यप्रदेश में

## खंड 'ब'

## वर्णानात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत

| प्रश्न | उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| 7. | किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-<br>भूमिका – 1 अंक ; विषयवस्तु – 3 अंक ; भाषा – 1 अंक | 5 |
| 8. | दो में से किसी एक विषय पर पत्र (लगभग 80-100 शब्द-सीमा) | 5 |

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं – 1 अंक ; विषय वस्तु – 3 अंक ; भाषा - 1 अंक

9. प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-

(i) 1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र चित्रण
3. वातावरण
4. संवाद या कथाकथन
5. भाषा शैली उद्देश्य

<u>अथवा</u>

1. कथावस्तु
2. पात्र एवं चरित्र चित्रण
3. वातावरण
4. संवाद या कथाकथन
5. भाषा शैली उद्देश्य

(ii) शब्द कविता का मेरुदंड है। विभिन्न शब्दों के उचित मेल से ही कविता बनती है। एक शब्द में ही अनेक अर्थ छिपे रहते हैं। शब्दावली होने पर ही कविता लिखना सरल हो पाता है। भावनाओं और संवेदनाओं को शब्दों के द्वारा आकार मिलता है। कविता भाषा में होती है इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान जरूरी है। भाषा शब्दों से बनती है शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है भाषा प्रचलित और सहज हो पर रंजना ऐसी हो कि पाठक को नहीं लगे कविता में संकेतों का बड़ा महत्व होता है इसके लिए चिन्ह यहां तक कि दो पंक्तियों के बीच खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है वाक्य गठन जो विशिष्ट प्रणालियां होती है उन्हें शैली कहा जाता है इसलिए विभिन्न काव्य शैलियों का ज्ञान भी जरूरी है।

<u>अथवा</u>

कविता के चार सौंदर्य तत्व है– भाव सौंदर्य, विचार सौंदर्य, नाद सौंदर्य और अप्रस्तुत–योजना का सौंदर्य। इन में से कोई दो को स्पष्ट करते हुए उत्तर अपेक्षित है।

10. प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-

(i) उल्टा पिरामिड समाचार लेखन की शैली है। उल्टा पिरामिड शैली में समाचार पत्र के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को प्रथम लिखा जाता है , उसके बाद घटते हुए क्रम में दूसरे तथ्यों को बताया जाता है। अर्थात कहानी की तरह क्लाइमैक्स अंत में नहीं अपितु सूचना आरंभ में ही संपूर्ण रूप से लिखी जाती है।

इस शैली के अंतर्गत समाचार को तीन भागों मे बांटा जा सकता है इंट्रो , बॉडी , समापन .

इंट्रो – समाचार का मुख्य भाग होता है।

बॉडी – घटते हुए क्रम में सूचना का ब्यौरा।

समापन – अधिक महत्वपूर्ण ना होने पर अपना आकार छोटे रूप में रहता है अर्थात सूचना बहुत ही कम शब्दों में लिखा जाता है।

<u>अथवा</u>

आलेख रचना के संबंध में प्रमुख बातें–

- लेख लिखने से पूर्व विषय का चिंतन-मनन करके विषयवस्तु का विश्लेषण करना चाहिए।
- विषयवस्तु से संबंधित आँकड़ों व उदाहरणों का उपयुक्त संग्रह करना चाहिए।
- लेख में श्रृंखलाबद्धता होना जरूरी है।
- लेख की भाषा सरल, बोधगम्य व रोचक होनी चाहिए। वाक्य बहुत बड़े नहीं होने चाहिए। एक परिच्छेद में एक ही भाव व्यक्त करना चाहिए।
- लेख की प्रस्तावना व समापन में रोचकता होनी जरूरी है।
- विरोधाभास, दोहरापन, असंतुलन, तथ्यों की असंदिग्धता आदि से बचना चाहिए।

(ii) विज्ञापन के बिना जीवन अधूरा है।... हम दरअसल बाजार से उन वस्तुओं को अधिक खरीदते है, जिनके विज्ञापन हम टीवी या रेडियो पर देखते है। नामचीन कंपनियां प्रोडक्ट का प्रचार-प्रसार करती है और उनके सेल को दूर दूर तक पहुंचाती है। ग्राहकों का ध्यान अनोखे और आकर्षित विज्ञापनों द्वारा खींचे जाते है। फीचर को विद्यार्थी अपने ढंग से विसकित कर सकते हैं।

अथवा

संपादक और उसके संपादक मंडल द्वारा तैयार किया गया पृष्ठ। इस पृष्ठ को अखबार की आवाज भी माना जाता है। यह बड़े प्रसिद्ध हस्तियों के विचार तथा ज्वलंत मुद्दों पर गहन चिंतन पर आधारित होता है। इस पृष्ठ के माध्यम से समाचार पत्र की मानसिकता और उसके विचार प्रकट होते हैं। ( विशेष विद्यार्थी अपने विवेक और बुद्धि कौशल का प्रयोग कर विस्तार से लिखें )

## पाठ्य-पुस्तक 20

11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:- 6

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ऐसे तबके को संबोधित करता है, जो भ्रष्टाचार तथा अनैतिकता में लिप्त हैं। कवि कहता है कि तुम्हें मुझसे डरने या प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि में तुम्हारा प्रतिद्वंद्वी नहीं हूँ। प्राय: अपने प्रतिद्वंद्वी के कारण लोग भयग्रस्त रहते हैं तथा उसे आगे निकलने या उसे गिराने का प्रयास करते हैं। लेखक उन्हें पहले से ही आगह कर देते हैं कि वह इस दौड़ में सम्मिलित नहीं है। अत: उन लोगों को उसे अपना प्रतिद्वंद्वी मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। इसके साथ ही जो लोग यह समझते है कि वे भ्रष्टाचार तथा अनैतिकता में इनका साथ देगें और इसमें उनका हिस्सेदार बनेगा, तो यह धारण भी सत्य नहीं है। क्योंकि लेखक इस अनैतिकता तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध आवाज़ नहीं उठा सकता है परन्तु इसमें अपनी हिस्सेदारी भी नहीं चाहता है। वह स्वयं को इससे दूर रखना चाहता है। प्रस्तुत पंक्ति में कवि का विरोध तथा कुछ न कर पाने का दुख साफ अभिलक्षित होता है। 3

(ii) राम के वन-गमन जाने के बाद माँ उनकी वस्तुएँ देखकर भाव-विभोर हो जाती हैं। उनका स्नेह आँसुओं के रूप में आँखों से छलक पड़ता है। उन्हें राजभवन में तथा राम के भवन में राम ही दिखाई देते हैं। उनकी आँखें हर स्थान पर राम को देखती हैं और जब उन्हें इस बात का स्मरण आता है कि राम उनके पास नहीं हैं, वह चौदह वर्षों के लिए उनसे दूर चले गए है, तो वे चित्र के समान चकित और स्तब्ध रह जाती हैं। राम से जूड़ी वस्तु को नेत्रों से लगा लेती हैं। वह इतनी व्याकुल हो जाती हैं कि उन्हें स्वयं की भी सुध नहीं रहती हैं। पुत्र के कष्टों का भान करते हुए वे और भी दुखी हो जाती हैं। 3

(iii) नायिका अपने प्रेमी से अतुलनीय प्रेम करती है। वह जितना इस प्रेम रूपी सागर में डूबती जाती है, उतना अपने प्रेमी की दीवानी होती जाती है। वह अपने प्रियतम के रूप को निहारते रहना चाहती है। वह जितना उसे देखती है, उसकी तृप्ति शांत होने के स्थान पर बढ़ती चली जाती है। इसका कारण वह प्रेम को मानती है। उसके अनुसार उसका प्रेम जितना पुराना हो रहा है, उसमें नवीनता का समावेश उतना ही अधिक हो रहा है। दोनों में प्रेम के प्रति प्रथम दिवस जैसा ही आकर्षण है। अतः उसे तृप्ति का अनुभव ही नहीं होता है। उसके अनुसार प्रेम ऐसा भाव है, जिसके विषय में वर्णन कर पाना संभव नहीं है। इस संसार में कोई भी प्रेम को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में समर्थ नहीं है। प्रेमी का साथ उसे कुछ समय के लिए सांत्वना तो देता है परन्तु तृप्ति का भाव नहीं देता। उसके प्राण अतृप्त से प्रेमी के आस-पास ही रहना चाहते हैं। 3

12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:- 4

(i) सम्राट स्कंदगुप्त से राजकुमारी देवसेना प्रेम करती थी। उसने अपने प्रेम को पाने के लिए बहुत प्रयास किए। परन्तु उसे पाने में उसके सारे प्रयास असफल सिद्ध हुए। यह उसके लिए घोर निराशा का कारण था। वह इस संसार में बंधु-बांधवों रहित हो गई थी। पिता पहले ही मृत्यु की गोद में समा चुके थे तथा भाई भी युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुआ था। वह दर-दर भिक्षा माँगकर गुजरा कर रही थी। उसे प्रेम का ही सहारा था। परन्तु उसने भी उसे स्वीकार नहीं किया था। 2

(ii) मनुष्य और प्रकृति के बीच की दूरी को बढ़ाना , बसंत आगमन की सूचना , सहज परिवर्तनों से नहीं कैलेंडर से पता चलती है। (विद्यार्थी उत्तर को विस्तार से स्वयं के विवेक से लिखें) 2

(iii) माघ के महीने में ठंड अपने विकराल रूप में विद्यमान होती है। चारों और पाला अर्थात कोहरा छाने लगता है। विरहिणी के लिए यह स्थिति भी कम कष्टप्रद नहीं है। इसमें विरह की पीड़ा मौत के समान होती है। यदि पति की अनुपस्थिति इसी तरह रही, तो माघ मास की ठंड उसे अपने साथ ही ले जाकर मानेगी। यह मास उसके मन में काम की भावना को जागृत करता है। वह प्रियतम से मिलने को व्याकुल हो उठती है। इसी बीच इस मास में होने वाली वर्षा उसकी व्याकुलता को और भी बड़ा देती है। वर्षा में भीगी हुई नागमती को गीले वस्त्र तथा आभूषण तक तीर के समान चुभ रहे हैं। उसे बनाव-श्रृंगार तक भाता नहीं है। प्रियतम के विरह में तड़पते हुए वह सूख कर कांटा हो रही है। उससे ऐसा लगता है इस विरह में वह इस प्रकार जल रही है कि उसका शरीर राख के समान उड़ ही जाएगा। 2

13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:- 6

(i) बचपन में लेखक के मन में भारतेंदु जी के संबंध में मधुर भावना व्याप्त थी। वह राजा हरिश्चंद्र तथा कवि हरिश्चंद्र में अंतर को समझ नहीं पाते थे और दोनों को एक ही दृष्टि से देखते थे। यदि कोई उनके सम्मुख हरिश्चंद्र का नाम लेता, तो उनके सम्मुख उन दोनों से युक्त मिले-जुले भावों का उद्भव होता था। इसी कारण उनके मन में एक माधर्य भाव का संचार होता था। 3

(ii) दुर्लभ बंधु एक नाटक है। इसका पात्र पुरश्री है। उसके सामने तीन पेटियाँ रख दी जाती हैं। प्रत्येक पेटी अलग-अलग धातु की बनी होती है। इसमें से एक सोना, दूसरी चाँदी तथा तीसरी लोहे से बनी होती है। प्रत्येक व्यक्ति को यह स्वतंत्रता है कि वह अपनी मनपसंद पेटी को चूने। अकड़बाज़ नामक व्यक्ति सोने की पेटी को चुनता है तथा वह खाली हाथ वापस जाता है। एक अन्य व्यक्ति चाँदी की पेटी चुनता है और लोभ के कारण उसे भी लौटना पड़ता है। इसके विपरीत जो सच्चा और परिश्रमी होता है, वह लोहे की पेटी चुनता है। इसके फलस्वरूप उसे घुड़दौड़ में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होता है। 3

(iii) पुजारी ने अज्ञानवश लड़की के हम से यह अर्थ लिया कि दोनों रिश्ते में पति-पत्नी है। अतः पुजारी ने उन्हें सुखी रहने, फलने-फूलने तथा हमेशा साथ आने का आशीर्वाद दे दिया। इसका अर्थ था कि उनकी जोड़ी सदा सुखी रहे और आगे चलकर वे अपने परिवार तथा बच्चों के साथ आएँ। पंडित का यह आशीर्वाद सुनकर दोनों असहज हो गए। लड़की को अपनी गलती का अहसास हुआ क्योंकि इसमें उसके हम शब्द ने यह कार्य किया था। वह थोड़ा घबरा गई। दूसरी तरफ लड़का भी परेशान हो गया उसे लगा कि लड़की कहीं इसकी ज़िम्मेदार उसे न मान ले। अब दोनों एक-दूसरे से नज़रे मिलाने से डर रहे थे। दोनों वहाँ से चले जाना चाहते थे। 3

14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:- 4

(i) शेर के मुँह में गए जानवर कभी लौटकर नहीं आते हैं। वह मुँह में समाकर मर जाते हैं या उनका अस्तित्व नष्ट हो जाता है। रोज़गार के दफ़्तर में ऐसी स्थिति नहीं होती है। यहाँ पर लोग नौकरी पाने की आशा में जाते हैं। वे यहाँ के चक्कर लगाते हुए थक जाते हैं लेकिन उन्हें नौकरी कभी नहीं मिलती। बस उनका अस्तित्व समाप्त नहीं होता है। शेर के मुँह के समान रोज़गार का दफ़्तर लोगों को निगलता नहीं है। बस उनकी आशा समाप्त कर देता है। 2

(ii) आधुनिक भारत के 'नए शरणार्थी' हज़ारों गाँव के उन लोगों को कहा गया है, जिन्हें आधुनिकता के नाम पर अपना गाँव छोड़ना पड़ा है। भारत की प्रगति तथा विकास के लिए इन्हें अपने घर, खेत-खलिहान, पैतृक जमीन इत्यादि छोड़नी पड़ी है। वे विस्थापन का वह दर्द झेल रहे हैं, जो उन्हें औद्योगीकरण के कारण मिला है। पहले वे शरणार्थी थे, जिन्हें भारत-पाक विभाजन में विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा था। अब ये नए शरणार्थी हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के के कारण यह दर्द झेना पड़ रहा है। 2

(iii) बड़ी बहूरिया नितांत अकेली, असहाय थी। पति की मृत्यु के बाद देवर–देवरानी शहर जा बसे थे। वह आर्थिक संकट में घिर गई थी। (अधिक विस्तार से विद्यार्थी स्वयं लिखें) 2